ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या	
01 A	इंडियन एसोसिएशन :-
	गठन - 1876 में
	खोजकर्ता - आनंद मोहन बोस, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
	उद्देश्य - भारत के लोगों की राजनीतिक एवं बौद्धिक चेतना को विकसित करना
01 B	चार्ल्स मेटकेल्फ :-
	- भारत में गवर्नर जनरल - 1835-1836
	- भारतीय प्रेस के मुक्ति दाता
01 C	महादेव देसाई :-
	- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व लेखक
	- महात्मा गाँधी के निजी सचिव
	- मृत्यु - 15 अगस्त 1942 भारत छोड़ो आन्दोलन के समय
	- समाधि - आगा खां पैलेस में

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

01 D

नीनो-डी-कुन्हा :-

- पुर्तगाली गवर्नर (1515-1535)

- पुर्तगाली साम्राज्य का विस्तार किया दीव व बसीन पर अधिकार किया, एवं राजधानी कोचीन से गोवा स्थानांतरित की।

-

01 E

एनफील्ड राइफल :-

- 1856 ब्रिटिश सेना में शामिल नई राइफल थी

- इस राइफल में कारतूस भरने के लिए मुँह से खोलना पड़ता था जो कि गाय एवं सुअर की चर्बी के बने हुये थे।

- 1857 की क्रान्ति का तत्कालिक कारण भी इसी राइफल को माना गया है।

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या	
01 F	मलिक काफूर :-

- नंपुसक और शरीरिक सौन्दर्य का धनी
- आलउद्दीन खिलजी का गुलाम, जिसे उसने दक्षिण विजय के अभियान में भेजा था
- अन्य नाम- हजारदीनार- अलाउद्दीन ने इसे हजार दीनार (स्वर्ण मुद्रा) देकर कर खरीदा था

01 G घाघरा का युद्ध :-

- शुरुवात - 6 मई 1529
- संघर्ष - अफगानों और बाबर के मध्य
- विजय - बाबर

01 H नाजी पार्टी :-

- जर्मनी की एक राष्ट्रवादी विचार धारा वल दल
- गठन - 1920 में एडोल्फ हिटलर नें किया
- नारा - एक राष्ट्र एक नेता
- द्वितीय विश्व युद्ध का प्रमुख कारण इसकी विचार-

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

धारा बनी।

| 01 | I |

तालीकोटा का युद्ध

- शुरुवात - 26 जनवरी 1565
- संघर्ष - तुलुव वंश और दक्षिण संघ राष्ट्रों के मध्य जिसका नेतृत्व अली आदिलशाह ने किया
- परिणाम - विजयनगर साम्राज्य के पतन की शुरुवात

| 01 | J |

जैन-उल-आबेदीन -

- कश्मीर का आठवां सुल्तान

| 01 | K |

आल्हा-उदल -

- बुन्देलखण्ड के महान योद्धा एवं माँ शारदा के अनन्य भक्त
- चंदेल शासक परमर्दिदेव के सेनापति

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या	
	- जगनिक ने अपनी पुस्तक में आल्हा-उदल के 52 लड़े युद्धों का वर्णन किया है
	- पृथ्वीराज के साथ युद्ध में दोनो भाई वीरगति को प्राप्त हुये
01 M	सूर्यसेन -
	- चटगाँव विद्रोह के नायक
	- इंडियन ~~रिपब~~ रिपब्लिकन पार्टी के स्थापनाकर्ता
	- मास्टर दा के नाम विख्यात, जिन्हे
	- मेदनीपुर में फाँसी हुई
01 N	बिल ऑफ राइट्स 1689 :-
	- दिसंबर 1689 इग्लैण्ड की संसद द्वारा पारित विधेयक
	- इस विधेयक के माध्यम से इग्लैण्ड ने अपने नागरिको को एक '<u>संवैधानिक व नागरिक</u>' अधिकार प्रदान किये थे

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

01 0

जार निकोलस द्वितीय -

- रुस का अंतिम रोमनेव वंशी सम्राट

- जार एक निरंकुश, स्वेच्छाचारी एवं विलासी सम्राट था

- जार की दमनकारी नीतियो के कारण ही रुसी क्रान्ति का जन्म हुआ

02 A

स्वतंत्रता आन्दोलन में क्रान्तिकारी आन्दोलन

भारत में क्रान्तिकारी आन्दोलन की शुरुवात कुछ विद्वानों ने 1857 से माना तो कुछ ने 1757 से, परन्तु बंकिम चन्द्र चटर्जी की पुस्तक आनंदमठ में सबसे पहला क्रान्तिकारी आन्दोलन सन्यासी विद्रोह को बताया है

सन्यासी विद्रोह के बाद धीरे-धीरे संघर्ष ब्रिटिश नीतियो के विरुद्ध बढता गया और 1857 की क्रान्ति के रुप में सामने आया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

1857 की क्रान्ति असफल होने के बाद, 1885 में काँग्रेस पार्टी का गठन हुआ जिसमें गरम दल व नरम दल दोनो के लोग थे गरमदल का मानना था स्वतंत्रता के लिये शस्त्र उठाना पड़ेगा जबकि नरम दल - अंहिसा के मार्ग को अपनाया इसी के कारण 1907 में काँग्रेस का विभाजन हुआ।

स्वाधीनता संग्राम में क्रान्तिकारी मुख्य आन्दोलनकर्ता

1. चन्द्रशेखर आजाद - काकोरी ट्रेन लूटकांड में शामिल; सॉन्डर्स की हत्या
2. रामप्रसाद बिस्मिल - मैनपुरी षड्यंत्र में शामिल; काकोरी लूट में अहम भूमिका
3. भगत सिंह - एसेम्बली में बम फेंका; नारा - साम्राज्यवाद मुर्दाबाद
4. लाललाजपतराय - सविनय अवज्ञा आन्दोलन; स्वदेशी आन्दोलन

अतः स्पष्ट है कि स्वतंत्रता संग्राम में जितना

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

नरम दल ने संघर्ष किया उससे कही ज्यादा क्रान्तिकारीयों (गरम दल) ने स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्रान्तिकारी आन्दोलन का परिणाम था कि 1942 की क्रान्ति के बाद ब्रिटिशियों को भारत छोड़ने पर विवश होना पड़ा।

02 B

भारत छोड़ो आन्दोलन -

शुरुवात - 9 अगस्त 1942

नारा - लिखा - युसुफ अली
दिया - महात्मा गाँधी

परिणाम - भारतीय संविधान के प्रति भारत के लोगो की माँगो का स्वीकार किया जाना

महत्व :- (1) यह क्रान्ति उस समय शुरु हुई जब विश्व द्वितीय विश्व युद्ध लड़ रहा था और ब्रिटेन भी उस समय उस युद्ध में भाग

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

हो रहा था जिसके कारण उन्हे भारतीयों की माँग को स्वीकार करना पड़ा

(2) ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली का भारत के प्रति सहानुभूति और अपने चुनाव में आजाद करने का प्रस्ताव

(3) सुभाषचन्द्र बोस एवं रासबिहारी बोस की बनायी गई सेना 'आजाद हिन्द फौज' का हिस्सा लेना।

(4) भारत छोड़ो आन्दोलन में दिये गये जोशपूर्ण नारे.

→ सुभाषचन्द्र बोस — 'दिल्ली चलो'
— तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी

(5) 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन सबसे प्रमुख सफलता का कारण सुनियोजित समय एवं सभी पक्षो का एक होना था।

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या 02 C

1857 की क्रान्ति के सैनिक कारणो -

1857 की क्रान्ति का तत्कालिक कारण सैनिक असंतोष था उसके ~~निम्नक~~ निम्नांकित कारण है।

① भारतीय सैनिको को ऊँचे पदो में रखकर उन्हें अध्य रखना, (ज्यादा से ज्यादा बडा पद सूबेदार था)

② प्रमुख कारण 1856 में ब्रिटिश सेना में सम्मिलित की गई एनफील्ड राइफल बनी जिसके कारतूसों में गाय व सुअर की चर्बी का उपयोग किया गया था जिसे भारतीयों को मुँह से खोलकर कारतूस भरना पड़ता था।

इसी का विरोध 29 मार्च 1857 को BNI के मंगल पाण्डे ने किया और एक अंग्रेज सैनिक की हत्या तत्पश्चात उन्हे पकड़ कर 8 अप्रैल 1857 को फाँसी दी गई जिसका प्रभाव पूरे देश मे हुआ और 1857 की क्रान्ति का प्रदुर्भाव हुआ

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

③ इस क्रान्ति की शुरुवात मंगल पाण्डेय की फाँसी के बाद 10 मई 1857 को मेरठ की पैदल टुकड़ी 20NI के द्वारा की गई

1857 की क्रान्ति सैनिक विद्रोह थी इसका उदाहरण तभी मिल जाता है। जब ब्रिटिश सेना में 1857 की क्रान्ति के बाद भारतीय सैनिको की संख्या घटा कर अंग्रेज सैनिकों की संख्या में वृद्धि की गई।

2 D

चन्द्रगुप्त मौर्य-

मगध से नंद वंश का अंत अपने गुरु चाणक्य के सहायता से सन् 322 ई. पू. में मगध की गद्दी पर चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्य वंश की स्थापना की।

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

चन्द्रगुप्त मौर्य की उपलब्धियाँ

→ घनानंद को हराकर मौर्य वंश की स्थापना

→ सेल्युकस निकेटर को हराकर युद्ध संधि की जिसके तहत काबुल, कंधार, हेरात, मकरान को मगध का हिस्सा बनाया

→ जैन गुरु भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा ली एवं अंतिम दिन श्रवणबेलगोला में बिताकर सलेखना पद्धति से प्राण त्याग किया

→ सेल्युकस का सेनापति मेगस्थनीज राजदूत बनकर आया जिसने पाटलीपुत्र की सुंदरता एवं राजा की सुरक्षा पर एक किताब 'इंडिका' की रचना की

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

कुँवर चैन सिंह -

जन्म - म०प्र० में भोपाल के निकट स्थित नरसिंहगढ़ रियासत में

अंग्रेजो के विरुद्ध विद्रोह का कारण :-

1818 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा समझौता जिसे भोपाल के नबाव ने स्वीकार किया जबकि अधीनता मानते हुए कुँवर चैन सिंह ने अस्वीकार कर दिया

परिणाम -

अंग्रेजी अधिकारी मैडाक ने कुँवर के सामने दो शर्ते रखी (I) अधीनता स्वीकार कर रियासत का विलय करे (II) अफीम की पूरी फसल कंपनी को बेचे

- कुँवर ने दोनो शर्ते अस्वीकार कर दी तत्पश्चात अंदेशा होने की आंशका स्थिति में अपने विश्वत साथी हिम्मत खाँ, बहादुर खाँ के ~~साथ~~ सहित 43 सैनिको के साथ सिहोर पंहुचे

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

तथा अंग्रेजो के साथ डट कर मुकाबला किया और सिहोर के दशहरा मैदान में उनकी मृत्यु हो गई

- सिहोर के दशहरा मैदान में कुंवर चैन सिंह की छत्री है जहा म०प्र० सरकार ने 2015 से गार्ड आफ आनर की परंपरा शुरु की है।

02 F

म०प्र० के ताम्रपषाणकाल

म०प्र० के ताम्रपषाणकाल (2000 से 900 ई०पू०

(1) कायथा -

- उज्जैन में स्थित

- वराहमिहिर की जन्म स्थली

(2) एरण :-

- सागर में स्थित

- तांबे की कुल्हाडी, सोने के गोल सिक्के प्राप्त हुये

- भानुगुप्त का अभिलेख भी प्राप्त

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

③ नवदाटोली

- महेश्वर में स्थित
- कच्चे मिट्टी के घर, चना, मसूर गेहूं के साक्ष्य

④ आवरा :-

मन्दसौर में स्थित

⑤ नागदा -

उज्जैन में स्थित

02 | 5

म०प्र० में झंडा सत्याग्रह -

शुरुवात - 1923

जबलपुर नगर निगम के भवन पर पं० सुंदरलाल शर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, लक्ष्मण सिंह चौहान जैसे क्रान्तिकारियो ने 'यूनियन जैक' को हटा कर भारत का राष्ट्रीय झंडा फहराया। अंग्रेजो द्वारा आन्दोलनकारियों पर कार्यवाही की गई परन्तु राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसके महत्व को समझते हुये 1923 में ही नागपुर

प्रश्न संख्या

से ही अखिल भारतीय स्तर पर इसकी शुरुवात की।

02 H

चरण पादुका

शुरुवात – 1931

छतरपुर जिले के चरणपदुका ग्राम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक शांति पूर्वक सभा कर रहे थे तभी सभा पर 'कर्नल फिशर' ने अंधाधुंध गोलिया चलाने का आदेश दे दिया जिसके परिणामस्वरूप 6 लोगो की मृत्यु हो गई।

02 I

भारत छोड़ो में म०प्र० का योगदान -

भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरुवात मेरठ छावनी से हुई परंतु इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत में हुआ

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

म० प्र० के प्रमुख स्थल जहाँ से इस क्रान्ति में योगदान रहा

① नीमच :-

3 जून 1857 नीमच में पैदल तथा घुडसवार सैनिको ने नीमच छावनी में आग लगाकर इस पर अधिकार करने का प्रयास किया

② ग्वालियर :-

जून 1857 मुरार छावनी में विद्रोह जिसका नेतृत्व महादेव शास्त्री ने किया

③ मंडला :-

रानी दुर्गावती के वंशज शंकरशाह ने गढमंडला में स्वतंत्रता के प्रयास किये

④ शिवपुरी

20 जून 1857

- बुन्देलखण्ड के सैनिको का विद्रोह

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

⑤ महू एवं इंदौर :-

- 1 जुलाई 1857
- सआदत खाँ और भागीरथ सिलावट के नेतृत्व में

1857 की क्रान्ति में रानी लक्ष्मीबाई, तात्यांटोपे व नाना साहब जैसे नेतृत्वकर्ताओं ने सफल बनाने का भरसक प्रयास किया परन्तु एकजुटता व आपसी संघर्ष ने इस क्रान्ति को असफल बना दिया।

03

प्रथम विश्व युद्ध के कारण -

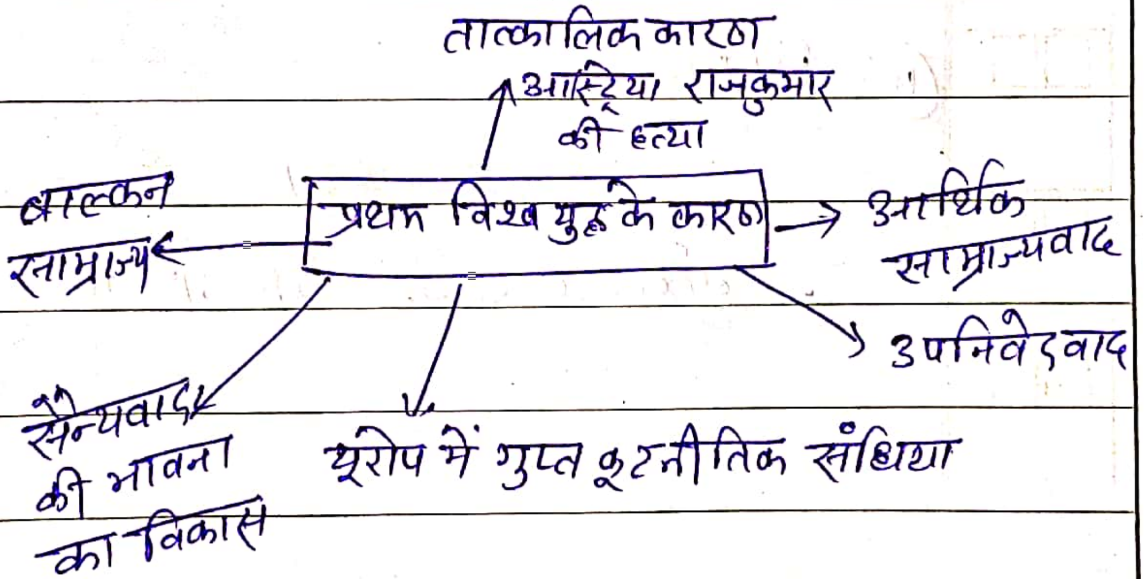

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

① यूरोप में कूटनीतिक संधियाँ :-

- जर्मनी चांसलर बिस्मार्क प्रथम व्यक्ति था जिसने गुप्त संधियाँ शुरू की ;
- फ्रांस को एकाकी बनाने रखने के उद्देश्य से बिस्मार्क को गुटबंदी प्रथा को जन्म दिया तथा आस्ट्रीया, रुमानिया के साथ संधि की
- बिस्मार्क के पतन के बाद रूस, फ्रांस और ब्रिटेन के मध्य संधि हुई ·
- इस प्रकार दो गुटों का निर्माण हुआ
  धुरी राष्ट्र - जर्मनी - आस्ट्रीया, हंग्री, इटली
  मित्र राष्ट्र - रूस, फ्रांस, ब्रिटेन

② उपनिवेशवाद :-

प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व यूरोप की शक्तियों का (रूस, फ्रांस, ब्रिटेन) प्राकृतिक संसाधनो पर एकाधिकार था जिसे प्राप्त करने पर अन्य देशो ~~पर~~ की होड़

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

लगी रहती थी जर्मनी का देर से युवा होना प्रथम विश्व युद्ध का कारण बना।

(3) सैनिकवाद की भावना :-

- 19वीं सदी के उत्तरार्ध में उग्रसैनिकवाद की भावना का तीव्रता से विकास हुआ
- शस्त्र निर्माणकर्ता अपने आर्थिक हितों के लिये सेनानायकों को उकसाने का काम करते थे
- जर्मनी चांसलर का बार-बार विश्व शक्ति बनाने की घोषणा भी प्रथम विश्व युद्ध का कारण बनी।

(4) उग्र राष्ट्रीयता की भावना :-

यूरोपवासियों में उग्र राष्ट्रीयता का विकास हुआ। वे अपने

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

देश को ही सर्वश्रेष्ठ मानते थे
समाचारों की सुर्खीदार खबरे उग्रराष्ट्रीयता
की भावना का विकास किया।
जिसके कारण राष्ट्रो के मध्य आपसी घृणा
की भावना बढ गई।

(5) तात्कालीक कारण :-
आस्ट्रीया - सार्बिया वैमनस्यता के कारण
राजकुमार फर्डीनेंड तथा उसकी पत्नी को
बोस्निया की राजधानी सेराजीवो में
गोली मारकर कर हत्या कर दी गई
फलत: आस्ट्रीया ने आक्रमण कर
दिया
शुरुवात - 28 जुलाई 1914
अंत. - 11 नवे. 1918
कुल - 37 देशों ने भाग लियां

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

2 C

औद्योगिक क्रान्ति - ब्रिटेन में क्यो -

ब्रिटेन को विश्व की उद्योगशाला कहा जाता है। विभिन्न समय में नये-2 अविष्कारों के साथ नये-2 परिवर्तन होते रहे

यहाँ की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितिया इसक्रान्ति की उत्तरदायी रहीं हैं

कारण :-

① भौगोलिक स्थिति :-

- चारो तरफ बंदरगाहो का होना
- आवागमन हेतु नदियां
- कपडे उत्पादन हेतु अनुकुल जलवायु

② कृषि क्षेत्र में परिवर्तन :-

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

- 18 वीं सदी में कृषि क्षेत्रों में परिवर्तन जिससे गेहू, जौ, शलजम आदि के उत्पादन में वृद्धि हुई
- ओसाक घास उगने से जानवरो से मांस, दुग्ध, खाद्य तथा गोबर में प्रचुरता का होना
- कृषि के नए उपकरणों का अविष्कार

③ <u>जनसंख्या में वृद्धि</u>

- जन्मदर में वृद्धि
- चिकित्सा पद्धति के कारण मृत्युदर में कमी
- जनसंख्या वृद्धि से वस्तुओं की मांग में वृद्धि जिससे उत्पादन बढ़ानेहेतु नये उद्योगो व श्रमिको को लगाया गया
- जनसंख्या वृद्धि का औद्योगिक क्रान्ति में

Scanned with CamScanner

ANSWER BOOK

प्रश्न संख्या

महत्वपूर्ण योगदान रहा।

(4) पूँजी का उपलब्धता :-

- उपनिवेश की दृष्टि से विदेशो ने काफी धन ब्रिटेन में लगाया
- भारतीय धन की लूट तथा दास व्यापार से लूटे धन से नए-नए कारखाने लगाये गए

(5) परिवहन क्षेत्र में क्रान्ति :-

- जान मैकेडम के द्वारा नए ब्रिज व सडको के निर्माण तथा जेम्स ब्रिंडले द्वारा नहरों का निर्माण किया गया जिससे आयात-निर्यात में सुविधा हुई
- बडे-बडे जहाजो से व्यापार शुरू हुआ

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

निष्कर्ष-

भले ही औद्योगिक क्रान्ति ~~ब~~ इंग्लैण्ड से शुरू हुई परन्तु सम्पूर्ण यूरोप में फैल गई जिससे नए उद्योगों के साथ साथ नए बाजारो की स्थापना हुई।

Scanned with CamScanner